

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥ भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥
 भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥ भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥
 भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥ भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥
 भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥ भक्त्या योग्यं कुरुष्व ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पूजा २ प्रथम वषट्कार विना वधिः सफ्रप निरुधिमः लवकुल
निधिसंनयः सुखसुखं ॥ ॥ २ ॥ **॥ २ वागरेव वि ॥**
निर्माना विचरुषु विदल सवाचरु मध्वगनकादि
वगना दचूयी २ समिचयय वितः ललिका द्विगमि
ति नच निल सनाय प्रकल चूयी ॥ ॐ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दवा श्रीवज्र विनामिनि विरुव हवनः प्रसम ह्यान द
यी २ ॐ दीशान वृ हनिनीः काम चूय श्री हन गुविधु
हम सुल न लय कि ॥ ॥ वसुदल स लाचरु हवन
धर्म चक्रः वाउमदत स लाचरु २ द्वालिं गनदल
कमलमहा सुख चक्रः हूँ का न चूय श्री हन चक्र नाथ ॥

॥ ॥ दहसि जित विशादि जिग्यान रुदनी शुवत्य
मन धा वशानाद चूयी २ पीथा दिद ठारु मिगन सुगन
पूजनीः जित ह्यन जायनी वी ३ ४ वी ॥ ॥ दध्य
नष्टति विवूजल रुव नु य प्रः ज्दिति मि समर्व रूप
रुद वी २ रुम रुम रु रुपाय ठा वनाः इग्नेति ना ठा

उक्तं विष्णु पुराणे ॥

नमा रुप्रदाना ॥ ॥ ३ ॥ ॥ रवागललिन ॥ महा
यव यागु समया वा वी रुवमी धाम २ दठादिगा दठा
वल म्नाना धिया यः समयान न्द रुव नि हा ॥ ६ ॥ वि
व विव य व व यि धामः म छल भा रुनी दि य रु चिय २
७ रु का ना वलिया न द वीः दान य नित्य वि घृ नि दानः

य॥ ॥सदिष्टीसमलमाजःकालवर्कःहवजकायः
 विरुलिया २जागयागितीमनीय विनूजनसमयाः
 नन्दरुवतिहा॥ ॥सिंहनादयाजियावःउमचूयमा
 दःजूसयागितीदान्यपूना २जानधनपूनाःजूवधूवन
 यियाःकर्षयावर्धरुवतिहा॥ ॥ ४ ॥**॥२नागमी**

॥**॥२नागमी**
 ॥**॥२नागमी**
 ॥**॥२नागमी**

॥२नागमी ॥लामकूदहनयवहानस्यचूय २यवशम
 यवसःयवशमलियूजिया॥ ५ ॥**॥२नागमी** ॥**॥२नागमी** ॥**॥२नागमी**
 नायाःपुषुवनदीवा २वीवभलायकसमयानन्द॥
 ॥ ॥विनयिवध्वनःसहजानन्द २कर्वकमला
 पकःहृदयानन्द॥ ॥यववृद्धयवकस्तधभव

उक्तं यामिनि॥

द २ द वा सूचननः सुमृदिन हृदया॥ ॥ उं ज्ञा ४ हूं
जीर्णं धनक वित्त २ उ म नू य ध ध नि वि न मान
नं॥ ॥ ज ॥ ॥ **राग क रू दि** ॥ स्व ट या मि नी द वा
पि उ व न वा पि नी २ वि प्र मान इ ह द र्प वि ना मि नी
॥ ध्र ॥ न मा मि २ द वी शी व ऊ वा ना हि २ पा द्वि सि

द्वि दाय नीः ज ग त ज न नी॥ ॥ पूर्व द ल ग त न क व र्ण
मि २ रू म न या मि मि द वी नी ल व द सी॥ ॥ द्रा य
य मा रु नि द वी शी न व द ना रा २ य वि भ सं वा वि
नि द वीः लो न व र्ण द हा॥ ॥ मे ष ल सं ग मि नी
द विः रु नि न व र्ण रा २ द रु व ल र छि का द वी ध्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मत्तस्मिन् ॥ ॥ चतुर्लोक उक्तान्ताः यंच मूडा रुतम् ॥
२ स्वविजुस रुवाः नयनसुदिगी वना ॥ ॥ ३ ॥
लाग रुव वि ॥ ॐ ज्ञा हूं हूं जून न न व सा हा म रु उ वा
न य न २ पूजा पूज क पूज सा य न त्य स नू य व लिला
वे ॥ ॐ ॥ ग्य स वा हि २ य त्रि पू न लः य यः घा ट य २

विप्र ह्वे २ य थ म मि रा व सः य च र मा लि वः य च र ह्व न स
व नि ना ॥ ॥ सर्व य क्र ना क्र स रु त प न वि भा चा न
मा य स्मा न २ जा क ज कि नि इ यिः जू द र म मा नः ॥ म
व लि ग्ट क रु व ॥ ॥ दा न य नि स र्व का र्थ न त्य या
स र्व स र्व स य नि मा न व २ रु थे वः न थे वः रु ऊ थे

यि व थ कि च य मारु कम थ न ॥ ॥ समय ल क उ दान
पति नः सर्व सिद्धि सं पद मा नि न २ ज्ञा स ग म ल त था ग न
व नः सर्व सिद्धि सं पद दृ द्वि न ॥ ॥ १ ॥ वाग्य
रम की र लि ॥ नू निल नून ल ऊ ल का उ व मा ष्यः भ नू म ध
ल च कु ना या २ द ऊ घ ऊ ल म ल जा न सं य नि रु दि न

[illegible]

गुरुवनकुक्रुक्रुनायाः रुनाडाः गुरुदधकुक्रुक्रुवि
 नविना २ गुरुवननदनामनसं प्रसा निवः रुनियावूः
 प्रकाकाते ॥ ॥ अहिनिमीठानलुनूवावेनुनालाः
 दिग्गहलावालाय २ जनममत्रथरुयवधनय्यादि
 नरुयभा नूज्जिय सं हाय ॥ ॥ ८ ॥ ॥ २ नागना

२॥ नक्रवर्त्तननिनायनमुन्वो २ अक्षदम हजप्रह
वधकिवह ॥ ५२ ॥ उक्तद्वीः वान्दीः मानकिद्वी २
ऊगनपभादिवमयनसूनागध ॥ ॥ जागमवदपू
नामवधाने २ जागधनमदिकारुवूउपदह ॥ ॥
यचरवृद्धसाम्यकऊलुक् २ स्यानथागिदीमाः

हेनूवलुहेनूअ ॥ ॥ सगगुनचनधः मिलंगनधनी
 या २ हनयिवाकवकुसुनासाचूयि ॥ ॥ २ ॥
 = **॥ राग हेनवा ॥** नमहेनूकात्रधनूयधनू २ खयुदिसत्य
 उनीधनू ॥ ॥ ॥ ननाहेनू ननाहेनू २ नना ननहेनू
 हेनू ॥ ॥ ददाजालिंगधजागधनू २ वकुधशमूडा

धनू ॥ ॥ धवनसूतदहधनू २ सनदसुहाहियर
 डमनू ॥ ॥ मायादहनीनहेनू २ साहियकनूतसत्य
 महेनू ॥ ॥ १० ॥ **॥ राग मी गमनमासमि ॥** निचकु
 नविमिमिलमाधयिनिजानन्दमनू निधना २
 वकुवाहाहियालिंगधसुनवाः नानाल श्रीमहाकना

॥ ॐ ॥ नमो हूँ नमो हूँ २ नमो नमो हूँ हूँ ॥ ॥ नी
 नव ध्वज रुवकाः यति मूयति नमः यनमा नन्द मूयति धना
 शवि गोवर्ज जू ध्वज रुवकाः जू मूयति धनाः हाउ आ रुवकाः
 मूयति ॥ ॥ वज्र ध्वज गज वज्र मूयति धनाः विन
 मानन्द मूयति धना २ कनरु कया लः यन गुया मूयति

ॐ नव क्रमिनी धनाः या घुवर्म कलि वरुणा ॥ ॥ दिगी
 विदिगी काका स्यादि ऊमदा किनी दवीः सहजा नन्द मूयति
 धना २ नमामि २ धी वरु सन्यनाः सन गुवर्ज मूयति
 ना ॥ ॥ ११ ॥ २ नागार्ध ध्वज रवि ॥ किति लायन्य
 नव क्रमिनी धना २ कनरु कया लः यन गुया मूयति ॥ ॥ ॥

हाम हाम कवयियाः हूं हूं न हिव वृमाता २ नाग द्रव मा हव
 दिव द्या दिव ॥ ॥ पु सार्घ्य द्य उपाय नव दजा २ त दि मः
 मिचाप यिवः आचार्य दीधया ॥ ॥ वाम द हिन कवस
 वद यिया २ कल यिव जानव आहू निदिना ॥ ॥ क
 र्त्तव्य नवः अर्थ नव हाम २ वज्र पन्नवन घनय संवाधा

उक्तं विष्णु पञ्चमोक्तम् ॥

॥ ॥ १२ ॥ **नागपर्व** ॥ कलिन व जानव त दि मः
 गिरु विगडा वयि डा काव सा द नूपी २ कन्द नूया ल वि
 रुदन लिताः ययि म यि जिन म मि वि द नूय ॥ ५ ॥
 पत्र मान न्द मूत्र नि नूय धा वि का धा धिय मी म शर वजा
 २ उं आहू २ का धा धिय नि मी म शर वजा ॥ ॥ कलि

मकमलसंकमसरुजाः यवननवगसुलीनगतिश्चि
 यमृग्यवठुजत्रलमकृठध्रिः कृष्णोत्ताननदहिन
 वामे ॥ ॥ इन्द्रमधुललापत्रिः यजयय्यदः कृष्णमाः
 वृक्षननूपकालिनाश्चयय्यदः सनः दहिनकवधालि
 वामय्यदः सनः दहिनकवधालि ॥ ॥ विविधवत्ताह्रथ

विविधवत्ताह्रथ

विविधवत्ताह्रथः सनः दहिनकवधालि ॥ ॥ १३ ॥
 मलपुष्पादाः नमामिपत्रमनिनायदः ॥ ॥ १३ ॥
 चान्तलिङ्गः ॥ जूनरुचनथगावकावसरायः बलनूप
 विरुः विविधकले ॥ २३ ॥ ॥ १३ ॥
 सफसाधिर्नहानामनयः ॥ ॥ १३ ॥

धिरुलदायकः सर्वजितयापिनसदृजकलही २ रुगन
मलहं धिनः गुं न क नू धा रुतः ही भवता धान विवक्रः
नूपी ॥ ॥ यजयत्रमानूमर्यः गंधा म्बुसं रुकः ही रु
सं धिनः पं रु धिरुलदायकः २ रु कानमनुपूर्य शुगवद्व
वज्रसुखाधिनः विषाक कलही ॥ ॥ घटमलन

चसफनूपरावः आरुयूमदाकिनी जलवचनूपं २ मटिनि
माधा वधं दवगावर्कः ह्यनसत्यमानिराः रुद्रिजकील
ही ॥ ॥ पाद्यादिआवमनः दानपूरपूरमलः समया
वर्कः पुवर्द्धिनः विषदकलही २ मलावाद्वाडविहयवा
धिरुलनूपः समयसत्यह्यनवर्कः रुकीरुन ॥ ॥

三

॥ १४ ॥ रागमादि ॥ काला ॥ लः थिया दावः मू मू धन
क काला २ घन क पि थि हा ॥ वजो ॥ क नू ल कि या ॥ न
ला ला ॥ ५ ॥ म न य ऊ क इ नू व ज्ञा ॥ त्रि डि मा न
हि मा व ऊ ॥ ॥ न हि र नू णा ऊ ॥ ग म थः म यि थ
पि व न ॥ या ॥ २ हा व काल ऊ न य न या ॥ वः इ इ नू व ज

卷之四

नयारि॥ ॥ चक्षुःसमकमुनीसिद्धाः कथं च लावन
 याः २ मवरु ॥ नमः निजलः नहिंरुद्र्याऊ मया
 ॥ ॥ ऐश्वर्यनक्रुद्रकवर्णः गुह्यगुह्यनमून २
 निमस्रुर्गवजावः ॥ नहिंरुद्र्याऊ मया ॥ ॥
 ॥ १५ ॥ रवागनवनीक ॥ सर्ववृद्धमष्टिः

विष्णुमालयदनीश्चरुयागिनीः वरुमहि न कालधन
निष्ठिवाचनि॥ ५२ ॥ नमामिवाचुप्रियागिनीः कामि
नीगणमहिता २ नृप अद्वि सिद्धि मनु सिद्धि यागिनी
गणमहिता॥ ॥ अदिम सुत नरुः समनसदो
यमासासु विम्वलाश्चक्रि कुरुल क विवाचक मस्त

चदिरुषिमा॥ ॥ कनलि यथ नमालयदनिः अक्र
टकं अदिनी वना २ मधुमालय वही कमहिताः सालजि
ह्वारुयकनी॥ ॥ रुद्र वदी न कुरु न काः सयल वि
सदियापिना २ रुद्र चन एभि र्यं धा वीः जूव धूव कर्म
यागवयिया॥ ॥ १९ ॥ रत्नागज हृदि ॥

ॐ
ॐ
ॐ

साजरावला कियारिच सुमन धनयिकवात्रिच दगा
शुक्रवाचन के मम हिरा मूठानः मकूठ के भादिगाम
ना॥ ॐ ॥ चयचमा नू सन्यवनायाः समन शुन्दनीम
नू कोला २ रुम दिनाहिनीः वजवा नाहीः रुताम हिमा
नू माला॥ ॥ मालि रायनः वचन हू रुमयनः कथ्य

चन दयिगा वाला २ गग सती लव रुधिव रुदा गनू
रु रुव चिता॥ ॥ विध धवू वन वू दानि रुव रुस
म रु पयि रुयि रु ग रु दाना २ रुम दिनाहिनि वजवा
साहि रुक्र विनू दय मिर्जु धा ना॥ ॥ मालि किलीला
वज आत्रिया उ व रु ग रु वचन ॥ म ज्ञाना ॥ रु रुयाः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ १० ॥ **॥ नाम कर्म ॥** विदुः उवाच यशः शान्तिनीद
 रुकवादि २ क मलकलिसुधनकवद्रुविया ॥ ५२ ॥
 शान्तिनीलुक्त विनूय न कि वः २ माना मूहवृविया व
 क मलसंयि वयि ॥ ॥ कयद्रु शान्तिनी वय व जा २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मणि कल व हिया वः ॐ दियान सभा यि ॥ ॥ सा सृघ
 व या व क विय ना व २ व ल सूर्य इ यि य क नः रु ना ॐ ॥
 ॥ रु न यि ग्य उ त्रि ह म कू इ वृ दि ना २ न न य ना विः
 मा म्यः उ रु य वृ दि ना ॥ ॥ १६ ॥ **॥ नाम गगन ॥**
॥ वि वि ह वि ह नून मा वः न वि ग गी व द न २ द वा ह

वगनउवनरुहुकनूसा॥ ५॥ तायेवनमामिथीस
 मयवीवाश्चकयागिनीचक्रियः समप्रसंसाध॥ ॥
 वक्रवात्राहिआलिंग धकल २५ छिसंविचदिवधयनस
 मलष्टग॥ ॥ ग॥ कूदहनदि वनीसमुलकूत २
 कनूयवृथलाययविषयक॥ ॥ धादमीरुजधा

२२५॥ गानेदिमगान॥

चीताचिउवदन २ नीचसंहाक गगधलुइरलिसा॥
 ॥ ॥ १८ ॥ **॥ राग कामाद ॥** जूवनिनिहिन
 जानूतिलसमदहा २ ककनगिनयनिरीषमवदना
 ॥ ५॥ ॥ गनाहूहू गनाहूहूहू जानूचलकाठनाः
 या॥ ॥ निदिदिघनइनि साहिनमंग २ पाठाय

उत्तरनिनिदिनवासाभावात्॥

कुक्षत्रिःप्रितुवनसमथा॥ ॥हविहववुक्ताः॥उच
दमालाश्मानविप्रइतिःसकुरयहनसम॥ ॥वि
विदिनलघनमोलिःवदुनयहाश्जगनविवांयिगः
वनहनदायक॥ ॥ २० ॥**शागकाभाद**॥
जुवनिनिदिनवामजानुःयक्किनसमालसंतासा

शागद्वयमाहवधिरयासाःप्रितुवसनायाजुवलवि
वा॥ ॥ ॥नमामिजीवधुमहावाषसमजानमगु
रुयद्यदिनाश्विद्यनाथःविद्ययायिनःविनविद्रुम
हाकारवाया॥ ॥जुनिरीयनागःउगुपवडाः
उदुकावायाविद्युनिकिनसमश्चिंयुनजुदवाकक

नमयनाः वेप्रिर्गंशासावाः वरूठावभा ॥ ॥ माधव
 मायाः पूर्वउवृक्ताः बीडयिभावाः पादयवृत्तभा २ सत्र
 समायाः नागविभाहाः ह्यननायाः समाहितदहा ॥
 ॥ तत्तारुवधाः पुठलितमोलिः कयूवनीयूत्रः नून
 मूर्तकावा २ सवतवनाथाः वदिवचनधाः नायसूच

उपनिषद्भाष्यम् ॥

मयः जूवलवीना ॥ ॥ २१ ॥ आगमधूमन
 ऊर्यवायुलिः रुचूवघ्नः २ सयवसूत्रासूत्रः ऊगन
 उवावधी ॥ ॥ ॥ ऊर्यरुगवनिषाडकमन्त्रमहि
 मधुलः नोपूत्रनूनजूनकावा २ हाउमज्जारुनधवि
 उषितः मयवघ्नः उलासाः विनिविनिविनचवि

निःतिनिनयना॥ ॥ कचठिषयवणीवचूडनवः
 धिलमाला २ कंठिषयवणीवचूडनवः ॥ ॥ ॥
 वससिंधूनाः कंकालसूना २ कंकुनी कयूचः नीवावः
 हयसावा॥ ॥ रुनयिसूचनवजः वायुलिदासः
 श्रीवज्रदक्षिणसायः श्रीहनुअपाया॥ ॥ २२ ॥

स्वागकाभाद॥ हं विजुमरुवः यस्मदसाः जवनसंघातीं
 गगनत्रुशोधना २ द्वादशरुजावदवदनाः द्वादशवकु
 वचकनर्ग॥ ॥ ॥ नमामि श्रीविचक्रं यवश्मानरु
 वरुयहनर्ग॥ ॥ वरुविगनियी ॥ यवर्गः यवर्गः
 सवलवीलव्यवी २ वरुवक्रुः यदक्रिष्टः दवीसपूज

युक्तितनसिमा॥ ॥ अथ संपूर्ण आलिका लिप्याङ्क
नाः अतिशुद्धना २ द्वा दश दशोऽक रावाः नमः मिश्रीव
जसम्भवा॥ ॥ सगुणवचनः ॥ मिश्रीवः रत्ननः
सयिगीतः श्रीकृतितः २ दानपतिवमना हर्षः सधम
मुत्तमानाधितः॥ ॥ २३ ॥ **॥ रत्नगव्य उगी ॥**

ॐ वक्रिकुटु ल कटिलारक मयवरुषितः श्रीवचूडधन
मिलमा ला २ सिनसवक्रिवेयाः रुसमविरुषितः गगधन
ॐ विवधुविवाया॥ ॐ ॥ अथ ममिहनुडादः भावका
नाया रुमनाथ श्रीसम्भननाया॥ ॥ वक्रिकुटु
कहाथप्रविद्याः कथक्रिया उरुदावा २ संपूर्णया

गिनी कमल विहासि गवमहासुगम निपुता ॥
 वज्रवा नाही जालि गम समल नाचयि वरु विह्वल
 ग २ वा य सुलिका येया किद नि हनु उ अरु सुव वरु ल
 पुता ॥ ॥ सहज स व हिये या गव नि क र्क या गी
 हनु वचन म पुता द २ पुता जालि गम किद नि हनु उ

विना सयि सुन क नूता ॥ ॥ २४ ॥ २ वा ग हे व वा
 ॥ य र्य ज र्य वा य ल स य व रू सा रा रु वी २ अ य य इ न
 स ह व नी ॥ ॥ ॥ नून जून जून का २ रू रू का न ना व यि
 मा न नि न वा नू द ॥ ॥ कि न य न या नि द हा यून ल श
 न ऊ न नी नू य व ऊ या गि नी ॥ ॥ ज र्य ज र्य रा ज रू

[illegible]

समाकृता॥ ५२ ॥ अयं तु जूचल्लज्जमगमूच निःश्वस्य
 भक्तवधविश्रुतगताधः जगन्नाथलिनमहाकाधवाय
 ॥ ॥ जूचतिनिहितवामजानूः धावदद नृणां च
 नाशककनाकसहवर्त्यकचः जूचिलविघ्नहता॥ ॥
 वक्राहनिहन्मघनासनः दधदसनसूचीना २३५

२५॥ मधुपन ॥

त्रिधौ छिन्न धनः सद्यः किञ्चिद्विघ्नहृत् ॥ ॥ विविदिषि
तज्जालनय रुषिणः दिव्यवत्तमो वीरजगन्मयी चिन्मस
र्वसंयतिः सिद्धिवन्तु लदायक ॥ ॥ २३ ॥
२५॥ गायत्री ॥ वामधनः दक्षिणकनटि श्यायन
मनमउचः मूढमाहारुदिना ॥ ५२ ॥ दक्षीणावशि

भुक्तकटिः यज्यामिनी शक्तिनिगुदवीः छिन्नवन्तपयि
षु ॥ ॥ कालमृत् इयियासनः वधियाय श्याम
धर्मभाहः कनटि यश्चदिना ॥ ॥ भुल्लुग्नदवी
निलेज्जनदक्ष २ गुन्यापागुदवी गुन्याल्लुय ॥ ॥
५३ ॥ सिंहात्रलायाः कन्यादवी २ माक्रमार्गदवीः छि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ २० ॥ अथ गणपतिस्तोत्रम् ॥

गणेशकृष्णमङ्गलार्थं यत्प्रोक्तं तत्तन्मन्त्रमिति म
न्त्रकथयितुं विना ॥ ५२ ॥ नावयिष्ये श्रीगणेशाय विना शन
नावयुः शानन्दविना शान्तिरिति ज्ञेयम् ॥ ॥ यामउरुव
त्तुम्भुजदधर्मा ॥ ५३ ॥ शान्तिं गच्छेत्तुम्भुजदधर्मा ॥

मगसुवीशसयनसुवासुवर्ददिगयनधः जूनगअद्विहि
द्विःवनपुसादा॥ ॥ नदनतमियवडनननूवः जून
गकसुनयातिजानवदनश्निरुगोगावागममिनीव
जूनगनीधसुनकृणवदन॥ ॥ जूसरुनवः जूसया
मिनीदवी जूनगसुनकृणयात्र २ जूसमहालयइनीन

नानवानुधी जूनगविघ्ननिवानुधी॥ ॥ दिष्पकिया
पिनगानुनिदवी जूसयनिलंकनका निमय २ जूसिमी
गुरुदायनीदवी जूनमऊमगुक्षयायसुनना॥ ॥
॥ ४१ ॥ **॥ वागविलास ॥** द्विरुजगकसुयनकवदध
२ नममकृणकमिनिदना॥ ५ ॥ ननादवीव

॥ दिष्पकिया ॥

द्वाकिनीः विष्णुजननि २ लिखवधवापिनः जिनस्यनः
 दायनि ॥ ॥ दहिनकननवजः दीनासिनदिग्यति २
 वामकः लाटकः वरुमालपिदयि ॥ ॥ गन्निमधु
 लमाऽपऽडिद्यागमल २ नलपूत्रवधननपुवसिगा

२ लिखवधवापिनः

॥ श्रीविद्याधनिदविः सुनननमहिना २ सुकनः
 द्विसिद्धिदहिममागा ॥ ॥ ४२ ॥ २ नागगंधारु
 ववि ॥ लिखवधनकलिगमूत्रमिः जून्नायनदिनयवति
 ॥ ५ ॥ नाचः दकुसुतः यनमध्यत्रतीनवति ॥ नमि
 सुहसुकिनधः दगसूर्यः साहसुवति ॥ ॥ दहदिः

५३२

हृत्पुत्रविशमिः प्रनूनायनसत्त्ववमिः ॥ ५३ ॥
॥ आगदिरास ॥ धनधनइधनधनाधन२धनयधनय
वकिमिलीं ॥ ॥ मयमदनवजधकसमयः कइइरा
गहृदिनयव ॥ ॥ कुरुकुरुवजधनसमय२लंशः
लातिकर्तयय ॥ कुरुकुरुकुरुतिदहधनः ससमयक

मिनकमनधन ॥ ॥ वजस्यशिराननमा२विध
मयसनसदात्ममहः नलाधकवनवजगीतः कपीक
मावधन ॥ ॥ मास्यनतिम्यरावयवम२मा००नस
हृत्पुत्ररावधनः ॥ हिजितजिकः समयकायनिवधन
वाचकवन ॥ ॥ हूंजीं ॥ पुहाधकसुगंगा२मवनम

रुद्राक्षमाला

शुभप्रदवस्तुः कुरुत आदिनवनवनः पुष्पमासिरुद्राक्ष
वज्रगीता ॥ ॥ ५५ ॥ रागागंगीक्षरवि ॥ हल
सिचमकटकिचकिमनीराखनः चनयशुभा ॥ ५६ ॥
साहियवज्रसुखः यत्रमध्यवयनमपद ॥ ॥ गारु
सुनीवरुपिथकटदहधनू ॥ ॥ वात्रीरुद्रसुखस

रुद्राक्षमाला

वात्रीरुद्रकंठकमलशुभा ॥ ॥ ५७ ॥ रागागंगीक्षरवि ॥
रुद्रवि ॥ ॥ मदिमसुतः मन्त्रसमूहाः रुद्रधनकीरुन
उदकविम्वचडा ॥ ५८ ॥ ॥ एष्वनजूमयः तारनगय
मश्नुल्लयत्रिहासयिजिनगुधनाय ॥ ॥ कथ
धत्रीः रुद्राक्षविषयसर्वका ॥ ॥ समूडननीगजिन

वक्रतुण्डका॥ ॥पवनइष्टिरुनीयाःइष्टधियश्चिन्ता
कलसि वज्रानवःदहदिहदाह॥ ॥सुगमरुनयिल
वरीयाःनहाः॥वस्यधाश्चननवजुरुनयिःअचिन्ता
यथाधनं॥ ॥ ५३ ॥**आगनाट**॥कवनचूय
माकम्पनःकवनचूयवृद्धश्चक्षुष्यनिर्वजनसयात्रः

विशुद्ध॥ ५४ ॥माचयिज्वधूवकातकमानश्चक्षुष्य
जमत्रुविद्यननशिरमाता॥ ॥अक्रुतलानिर्जन
अक्रुतसमिहनाश्चनूरुवधनगतिःसयात्रविशुद्धि
॥ ॥कहूयालरुतुःकहूयाचयिनाश्चधूवका
नगतिःगहमंठा॥ ॥रुतुहूरुतुहूरुहमरुमल

नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ सग्नमवन्दिनवन्दिन
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ लावविमकुट
 विष्णुवगुणगुणधनुनायि नमो नमो ॥ श्रीहृदयजगुन्नाथ
 जयि ॥ ॥ ५२ ॥ **स्वागमास्तथा** ॥ निजहृदयजगुन्नाथ
 ध्रुवहृदयनाया श्रीहृदयगगनः जागीनीययिषु ॥ ५३

नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ प्रपिनावयिह
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ पूर्वसिंहिरुन्नमिजकुल
 हृदयशमवतिज्जन्महापिदसंभाष ॥ ॥ श्रीओंदिया
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ किन्नयंमिवाजयं
 ॥ ॥ श्रीकातिइविपादधनक ॥ ५४ ॥ उवागिः

सुपायसुपायः

नीमलनिग ॥ ॥यसिस्सिजामिनीः नूदयसंजाः
ला २ किंद नि कमल कृनिषावा ऊं न ॥ ॥यसु निधा नि
वीनी वगालि २ लयन च वृ समः ह नू उ वीना ॥ ॥
॥ ५० ॥ **लागगा डि** ॥ स्य निम लि नः म यु रा च ऊ
२ उ डि न य उ य गा य दि ना न ॥ स्य निना दि न उ न ज म

न कः न द नू व नी न व स म म ना डू ॥ ॥य व दू द्वा ल क
स च ऊ ह्य र २ प ग्ध कृ ना न कृ वि उ कृ दि वी ॥ जा उा हि उ
कृ म हा स रू ना माः नू रू उ गी न म न क न ग्ध न ॥ ॥ ७ ॥
व क या न म स्य कृ न रि कृ र्य २ मा थ च नि ज् थ न ल स त्रि र्य ॥
पू व र नि र्य न ऊ दा य त्रि मू दि न न न वू र्ध २ वू र्ध वि ला व न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

या विघ्ननिर्मिदमकना ॥ नना हूं हूं नना नन हूं हूं हूं ॥ ॥
॥ ५१ ॥ **॥ आगविरास ॥** उदिना नव लेयाः यवन इ
ना २ वन हूं हूं दामक का ठा वना ॥ ५२ ॥ शान इ हूं
हूं यिन लिना २ ज्ञव यनि वं जनः भा क्र कना ॥ ५३ ॥
दिन कनम धु लम ध्व गना २ कनू भा म न व स ले वद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ना ॥ ॥ दग्धा जू निरुय पु मि नि हना २ दवा हूं न
व धि वं न मिना ॥ ॥ गा अं नि य व न पं मि गु वूं हूं
दा श्व ऊ वा ना ही रुं रु धि रं न मिना ॥ ॥ ५२ ॥
॥ आगना ॥ ॥ वा ना हि य मि न ति द ल सी ला जा दिन क
क ल म धु ल म ध्व लि ना २ न क ध भा द या वा पि या ना द

न॥ ध्रु ॥ पियं लमहानसमहासूयकनीयाश्च
 ऊदवीरुलिया अनुरुनह्यन॥ ॥ उद्धनानीमिदल
 कमलसंकाह २ दहि विनासाः पुवनसरुदयि॥ ॥
 कुंजः यालयं वमहासूयकनीयाश्च विनासाः सविज
 वानूची॥ ॥ मंगुनूपसायः वगुधिरिषक २ पान

विनासाः ससावसमुडा॥

॥ ५४ ॥ **राममलिन**
 ॥ हन्यनिवर्त्तनयत्रमपुः सन्नमायासंसाउ २ रावह
 विरसंसायसुजाः नानाशिरुयिकावू॥ ॥ नवूरुव
 नउ विद्वीतनहि ७ रुसा महासूयकनीयाश्च २ जा रावः म
 नरावमः सायत्रसायकका॥ ॥ अत्रमनविदया

नासाविन्दुनचिरु २७ रूसायनमहासूक्ष्मा रुतिनावि
 रु॥ ॥ किमपि विन्दुसूक्ष्मा वज्रानि निरावयि मन
 राव २ सत्ता निरञ्जन पुमपुत्रुमानं पृथ्वी नयातु ॥
 किमञ्जलमाप्ता चन्द्रसहिना लघुनमिन्दु २ तिनिताम
 धुलवञ्जना नयसंहावत्यम् ॥ ॥ ॐ ॥

उदयागिनिगुल

स्वागनाट ॥ उदयागिनिगुल शिथीका २ कति ठाक
 शाटक धाविनय विः रुद्रदविमादिमविद्या धविदवि
 ॥ ॥ ॥ स्वदवियिगुल्युगुक्रमज्जु २ रुद्रदः
 विनकाकसर्वदसर्वनवदिनः रुद्रदविशालवविद्या
 धविदवी ॥ ॥ मणुपाशुनसुशिवनचक्र २ रुद्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ददिविनामिनिवृद्धजकिनिदविभुक्तदतिदिवाक
वविशाधनीददि॥ ॥ॐ॥ अकासुनवजसंकनह
वीयाभुक्तदवित्रविठामिविशाधनिदविभुक्तदः
विमादिनविशाधनीददि॥ ॥ ॐ ॥ **भाग**
वसु॥ किनवलजननिपुलास्यसमधि२विनामयि

समनसं ददाश्रितिगना॥ ५७ ॥ निवसुहसुनयभ
ऊनसंयुक्त२गन्धालिआलिगधःआनन्दनयन॥ ॥
वायसंरागसःसुनधिमयन२नागविनागइयिमा
म्यनिष्ठसः॥ ॥ जूवजकुलिसःसंजागहिमूय
ना२सुनननपुमूयददाश्रितिगना॥ ॥ दहदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हस्तुवनः श्रीजागम्यवाशुनमामिह्यनठ्यनीः जालिगम
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ **॥ १ वागवसंत ॥** जूनसिद्धसुमइ
मिः दुरुपरास्यना २ विविधित्तमनिमकूटविशुषिना
॥ ॥ ॥ **॥** नाचयिवशी जूचवयिवा २ गनाचवूजानंद
विनागयिजूचला ॥ **॥** शामउरुवविंदूमूडादर्थ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ना २ प्रह्लाजालिगमजूरुयमहासूय ॥ **॥** विनागसं
उइमिरुवरुयकना २ जस्यनिरुगः यकू नऊ निपाठा ॥
॥ **॥** माचवकुत्रदयननिमिरुविचुहना २ ववि
मठिरुगमगगनविमसयि ॥ **॥** ॥ ॥ **॥ ना**
गवलादि ॥ गतमगसुथमोनाः मधुलकाटिसाथ

गानादहा २ दकाटिहाथे गानायागिनी दयावः वासुवि
 रुकनदवा ॥ ५२ ॥ उंका दूमधुतनासु त्रिनायकागि
 नीददयाव २ दक धाम धनी कष्ट आतिगानः वासुस
 कनमाभा ॥ ॥ पूर्वचक्र विद्रियाः दक्षिणतलविस्
 सिनाव २ य विमयप्रपका सनः उरु नदक धनीयास

२४ विद्रिया वि॥

॥ संप्रमयागरनाडाः निमित्तयत्नकनध्रियाव २
 कायवाकविस्मयुतनासु त्रिनायः गगनदकह उिया वा
 ॥ ॥ नूपस नूपस दगीधसुस्य गवसः २ मिमप्रिया
 धर्मधामुहायि २ कर्मयामधुतवसियाः गवयकाह
 नपूजनहायि ॥ ॥ ५२ ॥ आगमासु ॥ विद्रि

द्वाविदगात्रिवस्तुसि २ सिंघिनिव्याधिनी ऊ वृकउ लकि
 नी॥ ध्रु ॥ नमामिणी ऊगमन्यन ह्यनन्यनी २ तिः
 निमगुदवीः प्रियुवनययिम् ॥ ॥ पूर्वउरुनय
 म्मिः दक्रिथदिगदवी २ जकिनी दिधिनीः कउसिक
 वा ऊनी॥ ॥ वरुनदिगी गुक्ररुनथगुदवि २ ति

निमगुदवीः नाचयिरुनूव ॥ ॥ रुप्रिरुनउक्राः २ तु
 जसुनग ॥ २ धाउगजागिनी समनसंराय ॥ ॥
 ॥ ३० ॥ **॥ धनामरुनवी ॥** ॥ प्रविस्तुरुगवनमसाम
 क्रयूननः दगयिजूनरुनवाधिघद २ ऊनामनथरुव
 यनमाचयः यनमा म्मनमयः यनमगुनू ॥ ध्रु ॥

वाठम॥ ५२ ॥ उं ऊं वमहात्रसगुक्कारिषकं २ कम
 लकलिंगः सथागमरुवा॥ ॥ हाननूपिनीदवीः वि
 षयापिना २ किद निनचनाः महासूदयाना॥ ॥
 उर्ध्वधसठना लिचाययिपुवला २ पायविन्दनचनाः
 दवीजायमयी॥ ॥ गुनूपमादः जूनूलनकि

या २ दहिममाजः ससावसमूड॥ ॥ ५३ ॥
लागबालमि॥ वामादहिमः उदयिघनधी २ माभ्यवि
 नागयिः महासूदयाना॥ ५४ ॥ उं ऊं यिवः ऊयि
 याः सहजश्रानन्द २ सयनवीनामयः उयविरुवा॥ ॥
 गयनेमयनः चिरुविलासयिवा २ कायवाकचिरु

२०॥

कृष्णसीया॥ ॥ न के धावयिञ्जः ह्यललयिया २॥
 वयिन्वयानः ग्यः धा धा नी॥ ॥ यावयिन्वः वयः पुत्र्या
 ययसाद २ रुनयिवाक वजः पुन्यसमाधि॥ ॥
 ॥ ६३ ॥ **॥ धागरेव वि ॥** वडागममनः मिलमव
 काः वाः कुकिना गगर्जिन भया २ ग हल ममनः नः

कवकाः घृनिनमद्याः नक्रकनागाः ॥ ५५ ॥ लुङ्गमङ्ग
लयङ्गसः लुङ्गवङ्गिवायूनाङ्गसदिगीदिदिगंदविदवधि
वश्ङ्गसङ्गमङ्गमः ॥ ५६ ॥ चिह्नं विरञ्चनः नावयि सहजानंद
॥ ५७ ॥ कंदनिघनाः वलिङ्गमद्याः कासी कुसाः कर्क
ठकनागाः ॥ ५८ ॥ कर्कठकनागाः वलिङ्गमद्याः सत्रसङ्गनागाः

वृद्धकृष्णः॥ ॥ अद्भुतहासः॥ श्रीपातनागः॥ प्रचल
 मघाः कुरुमहि नृहा २ ल श्रीवानाः कुरु कुरु कुरुः प्रहृष्ट
 मघाः महायथा॥ ॥ धात्रममममः यक्षकियुक्ताः
 जर्मननागः यूननमघा २ किलिकितितावाः अज्ञानय
 क्राः कृतिकनागः यवनमघा॥ ॥ द्वादशरुजाः द्वा

धूम्रमीमांसा॥

दशशुवनाः च उद्युक्तावदनाः द्वादशमयनाः २ लनसिकर्तु
 यामावद्भुसुननाः कालिवाणिः त्रिपुवाच यिवदना॥ ॥
 ॥ ३४ ॥ **॥ आगमीधना ॥** धूम्रमीमांसा विरहकलासी २ ल
 समर्थिगलकठावयन॥ ॥ ॥ शुद्धयियात्रहृहृहृ
 दुर्कनकनश्नानाविहानः जोडमहावतिपूजा॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

समया न कुरु शा गाम्य न दवा २ वा हूति वा हूति च उ म हू
नयना ॥ ॥ श्री ग व र्ग क र्ग क हू जा व लि र्ग व हा र्ग व र्ग
कर्ग कः महा व लि पूजा ॥ ॥ चो ड क र्ग कः पिरु र्ग न
गय न २ मय मी सः म कू नू धि व आ हा व ॥ ॥ ७ ज
॥ **नाम म धूम न** ॥ य मू दि न दि द वा रु मि हू द त्रि स न

म नू म हू ल स हू न ल य ना २ द्वा द वा रु र्ग क उ व द न हू
॥ म र्गि ना व र्ग वा ना दि कं ॥ ७ श्री र्गि ना ॥ ७ ॥ हू हू
हू द हू दि हू र्ग ल नः मा त्र स य ल स वा धि या व २ द्वा
श्री र्गि ना ७ ॥ अ हू य स र्ग वः ना व यि दान्य श्री स नू न मा या
॥ ॥ हू लि ग य ७ ग र्ग र्ग म र्गि र्ग नाः क र्ग लि उ म

वृत्तसारिणा २ मङ्गलपूनिनकया तस्य लोकाः यामयनमु
 उक्तमित्यगनधना ॥ ॥ यत्किनवनमकृदश
 लीकनाः मृदुमृदाग्ररुनधरुषिणा २ शालिकासिद्धः
 विः शत्रिरुवापयिः व्याघ्रवर्मनिवासनकृष्णन ॥
 ॥ ॥ नलमिहमाता श्रान्तवनशीरमनः दिव्यचः

२३ विनि

कृमिनिकवृद्धहिया २ ऊर्मजममावृद्धयायस्रनभाः
 गाडान्कियनमादिवजगीना ॥ ॥ ३३ ॥ **ध्याग**
मउगी ॥ द्विविनिस्रवनः विनास्रयिकृयिष्ट २३०
 रनाडाः मयुलनाया ॥ ३५ ॥ उक्तकाहमलः ऊगन
 निवासिचाव ॥ ॥ श्रमियः श्रमियः नीरंजनदश

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ सहजं दत्तं येन किं न ह्यस्य यिम् ॥ ॥ ३३ ॥
आ गिनीः प्रवमन् २ वज्रता वाहिः आलिगय काव ॥
३० रुना आ कृत्त कवावी २ जय जय आलिगय नीः
नवः यो नीः ॥ ॥ ३३ ॥ **॥ राग मंगलः**
वधनः ॥ का गूल वगः वाजित्वीना २ जून रुग लक्ष्म

यः यि युवन सीना ॥ ॥ ३४ ॥ अनूरुम पूजितः दान क
यि या २ रु दिव आद्वि सिद्धिः वाहि पृथग् दे ॥ ॥ ३४ ॥
कमूना प्र इ यिर्मनीः सा वि वत्र विगमि गग ध इ उ म
व ॥ ॥ ३५ ॥ राग मंगलः २ गग न स
यन मा भः पवय क जाल ॥ ॥ ३५ ॥ **॥ राग**